हार्लेम की छोटी
काली मैना
फ्लोरेंस मिल्स
की कहानी
रेनी वाटसन

क्या कोई आवाज बारिश को रोक सकती है?
क्या वो आपको दुनिया भर में ले जा सकती है?
क्या वो न्याय और समानता के बारे में लोगों
के दिमागों को बदल सकती है?

बीसवीं सदी के मोड़ पर वाशिंगटन, डीसी में पली-बढ़ी - फ्लोरेंस मिल्स जानती थीं कि उनके पास एक मधुर, पक्षी जैसी गाने वाली आवाज का उपहार था, जिसे हरेक कोई पसंद करता था. लेकिन फ्लोरेंस नस्लवाद के गहरे दर्द को भी पहले से ही जानती थीं. जब वो न्यूयॉर्क शहर गईं, तो मंच बड़े होते गए, रोशनी तेज हो गई, और जल्द ही वो एक अंतरराष्ट्रीय स्टार बन गईं. उसकी बजाए, फ्लोरेंस ने ऐसे शो चुने जो अन्य अश्वेत कलाकारों को बढ़ावा देते थे. और उन्होंने ऐसे गाने गाए जिन्होंने नागरिक अधिकारों के आह्वान की शुरुआत की.

हार्लेम की छोटी काली मैना

फ्लोरेंस मिल्स की कहानी

रेनी वाटसन

वे उसे हार्लेम का नन्हीं काली मैना बुलाते थे. उसका नाम फ्लोरेंस मिल्स था. वो 1896 में पैदा हुई थी और वाशिंगटन, डीसी में एक नन्हे, छोटे से घर में रहती थी. उसका घर इतना नाज़ुक था कि जब भी आंधी आती थी तो घर हिलने लगता था.

तब उसकी माँ कहती थीं, "डरो मत." और वो बारिश की लय में आगे-पीछे थिरकते हुए वही आध्यात्मिक गीत गाती थीं जिन्होंने उसके परिवार को गुलामी के तूफानों से बचाया था.

जब शांति, नदी की तरह, मेरे रास्ते में आती है,
जब मेरा दुःख समुद्र की लहरों की तरह लुढ़कता है,
मेरा दुःख बड़ा है, फिर भी तुमने मुझे यह कहना सिखाया है,
सब कुछ ठीक-ठाक है, मेरी आत्मा के साथ.

माँ की आवाज़ में फ्लोरेंस, गर्म कंबल की तरह लिपट गई.
फिर फ्लोरेंस ने भी गाना शुरू कर दिया. बाहर जितनी गड़गड़ाहट के साथ
बारिश हुई, उन्होंने उतनी ही तेज़ी से गाना गाया. जल्द ही तूफान बूंदा-
बांदी में बदल गया, और फिर वो बूंदा-बांदी भी गायब हो गई.
उसकी आवाज ने तूफान को भगा दिया था.

फ्लोरेंस ने सोचा:

अगर मेरी आवाज इतनी ताकतवर है कि वो बारिश को रोक सकती है,

तो फिर मेरी आवाज़ और क्या-क्या कर सकती है?

फ्लोरेंस को वो पता चलने में बहुत समय नहीं लगा.

स्कूल के खेल के मैदान में वो गाती और नाचती थी. उसके दोस्त उसे सुनने के लिए अपना खेलना बंद कर देते थे. जब कभी भी संगीत बजता था, फ्लोरेंस के हाथ लहराते थे, उसकी कमर डगमगाती थी, और उसके पैर फुटपाथ पर थिरकने लगते थे. लोग उसे "केकवॉक" कहते थे.

हर कोई "केकवॉक" कर रहा होता था, लेकिन फ्लोरेंस उसे बाकी सब से अच्छा करती थी. उसके पैर हवा में पंखों की तरह लहराते थे. जल्द ही फ्लोरेंस पूरे शहर की प्रतियोगिताओं में "केकवॉक" और गायन कर रही थी. उसने कई पदक भी जीते थे.
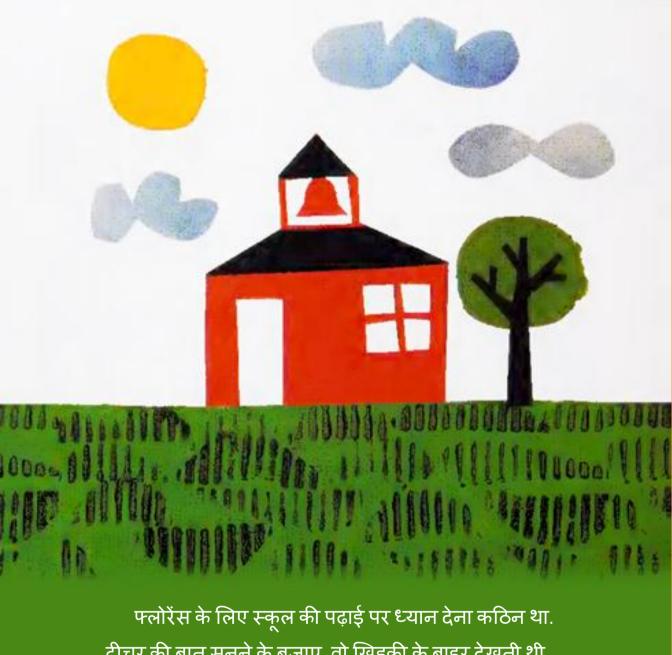
फ्लोरेंस के लिए स्कूल की पढ़ाई पर ध्यान देना कठिन था. टीचर की बात सुनने के बजाए, वो खिड़की के बाहर देखती थी. आकाश उसका मंच बन गया था, और वो पूरी दुनिया के लिए गाने और नृत्य करने वाली एकमात्र स्टार थी.

लेकिन वो इस तथ्य को बदल नहीं सकती थी कि वो सिर्फ फ्लोरेंस मिल्स थी, जो पूर्व गुलामों की बेटी थी, जो एक नन्हे, छोटे से घर में रहती थी.

जल्द ही बड़ी प्रतिभा वाली छोटी लड़की की खबर पूरे वाशिंगटन में फ़ैल गई. फ्लोरेंस को एक फैंसी थिएटर में प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया. शो से एक रात पहले, उसने अपने नृत्य का बार-बार अभ्यास किया.

शो के दिन, जब फ्लोरेंस और उसके दोस्त थिएटर में पहुंचे, तो फ्लोरेंस ने जो सपना देखा था, वहां वैसा कुछ भी नहीं था.

"तुम अंदर नहीं जा सकते!" मैनेजर ने कहा. मैनेजर ने उस संकेत की ओर इशारा किया जिसपर "केवल गोरे" लिखा था. "दर्शकों में कोई नीग्रो नहीं है!"

फिर फ्लोरेंस ने जो उचित और सही था वही करने लिए अपनी आवाज का इस्तेमाल किया.

"अगर मेरे मित्र वहाँ अंदर नहीं जा सकते, तो मैं भी यहाँ बाहर ही रहूँगी!" फ्लोरेंस ने कहा. फिर उसने अपने हाथों को अपने कूल्हों पर रखा और अपने सिर को ऊंचा उठाकर वो वहां से वापिस जाने लगी.

"रुको!" मैनेजर चिल्लाया. लेकिन फ्लोरेंस चलती रही. मैनेजर ने फ्लोरेंस से प्रदर्शन करने के लिए विनती की और शो देखने के लिए वो उसके अश्वेत दोस्तों को अंदर ले गया.

उस रात, फ्लोरेंस ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, सभी ने खड़े होकर ताली बजाई.

छह साल के बाद, फ्लोरेंस का परिवार न्यूयॉर्क शहर चला गया. फ्लोरेंस और उसकी दो बहनों ने गाने और नाच की एक टीम, "मिल्स सिस्टर्स" बनाई. उन्होंने हार्लेम के लिंकन थियेटर में प्रदर्शन दिया.

गर्मियों में, मिल्स सिस्टर्स कोनी द्वीप पर अपने दिन बिताती थीं. फ्लोरेंस को वहां सवारी करना और आर्केड में खेल खेलना बहुत अच्छा लगता था. लेकिन उसे सर्फ एवेन्यू ओपेरा हाउस में प्रदर्शन करना सबसे मजेदार लगता था.

पत्रकार हर जगह उनका पीछा करते थे, और उनमें से एक बहन थी जो उन्हें सबसे अधिक प्रिय थी. वो थी सोलह वर्षीय फ्लोरेंस.

"आओ उस महिला को सुनो जो एक चिड़िया की तरह गाती है!"

"जब वो नाचती है, ऐसा लगता है जैसे वो उड़ रही हो!"

सच में वो वैसी ही थी!

वो एक स्टेज से दूसरे स्टेज तक उड़ान भरती ती. वो पूरे देश में ईस्ट कोस्ट से वेस्ट कोस्ट ताक घूमती थी और फिर न्यूयॉर्क के 63वें स्ट्रीट म्यूज़िक हॉल में पहुँचती थी. वो 1921 का साल था, और फ्लोरेंस को "शफल अलॉन्ग" में एक भूमिका निभाने का मौका मिला. शो के सारे टिकट बिक गए. उस शो ने श्वेत दर्शकों से सामने जैज़ संगीत पेश किया.

हर रात, फ्लोरेंस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती थी. उसके शरीर का हर अंग नाचता था. उसकी पलकें फड़फड़ाती थीं, उसकी उंगलियाँ थिरकती थीं. फिर वो गोल-गोल घूमती और अंत में नीचे गिर पड़ती थी. हर रात दर्शक उसके कार्यक्रम में तालियां बजाते थे और ज़मीन पर अपने पैर पटकते थे.

उस समय हार्लेम में कुछ खास बात घट रही थी. हार्लेम का पुनर्जागरण हो रहा था. हार्लेम के सांस्कृतिक आंदोलन में सभी प्रकार के रचनात्मक लोगों ने योगदान दिया था. लैंगस्टन ह्यूजेस ने कवितायें लिखीं, ड्यूक एलिंगटन ने जैज़ क्लासिक्स की रचना की. और नाटक के बाद फ्लोरेंस ने भीड़ को मंत्रमुग्ध करना जारी रखा. "डोवर स्ट्रीट से डिक्सी" तक उसका प्रदर्शन इतना अच्छा था कि उन कलाकारों को लंदन में आमंत्रित किया गया. फ्लोरेंस विदेश की यात्रा करने के लिए बहुत उत्साहित थी.

FREEDOM
आजादी

लेकिन सभी लोगों ने उसका स्वागत नहीं किया. जब वो जहाज पर चढ़ी तो गोरे यात्रियों ने फ्लोरेंस और उसकी मंडली के साथ भोजन कक्ष में खाने से इनकार कर दिया.

जब वह लंदन पहुंची, तो कई लोगों ने शो का बहिष्कार करने की धमकी दी क्योंकि गोरे लोग मंच पर अश्वेत कलाकारों को नहीं देखना चाहते थे. पहली रात फ्लोरेंस ने एक गहरी सांस ली, अपना मुंह खोला, और एक नोट गाया, फिर दूसरा, और तीसरा. दर्शक चकित रह गए.

डिक्सी टू ब्रॉडवे में
फ्लोरेंस मिल्स
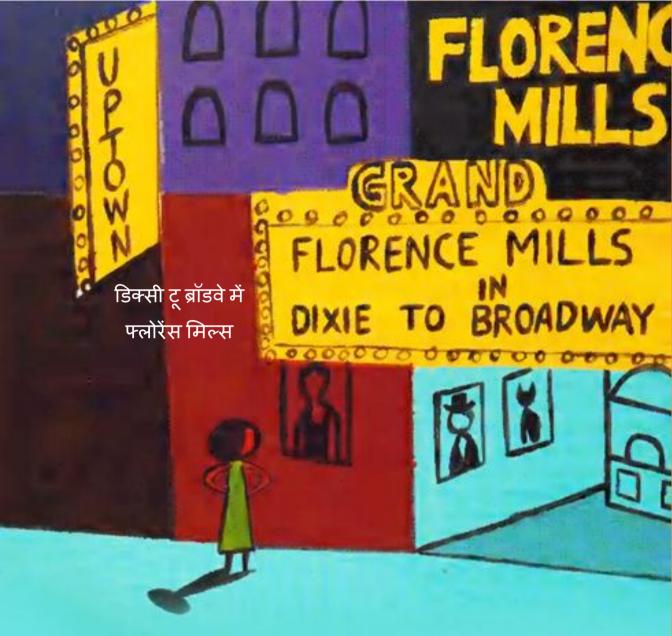
हर रात, जब फ्लोरेंस ने मंच पर कदम रखती, तो दर्शक उसके गाने से पहले ही तालियों से उसका स्वागत करते. अब वो एक इंटरनेशनल स्टार थी. और फ्लोरेंस ने सोचा:

"अगर मेरी आवाज़, मुझे दुनिया भर में ले जा सकती है,
तो वो भला और क्या कर सकती है?"
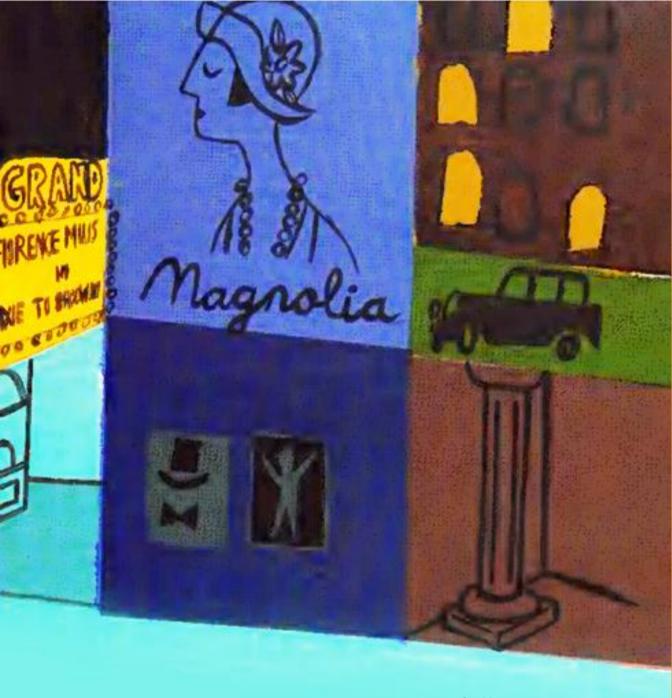
जब फ्लोरेंस हार्लेम वापस पहुंची तब एक महत्वपूर्ण ब्रॉडवे प्रबंधक, मिस्टर ज़िगफेल्ड ने फ्लोरेंस को एक प्रमुख भूमिका देने की पेशकश की. वो "ज़िगफेल्ड फोलीज़" में अभिनय करने वाली पहली अश्वेत महिला होगी. वो हर कलाकार का सपना था, लेकिन फ्लोरेंस ने उसे ठुकरा दिया.

इसके बजाए उसने उन शो में, अपनी आवाज का इस्तेमाल करके अज्ञात अश्वेत गायकों और अभिनेताओं को मंच पर प्रदर्शन करने का मौका दिया. फ्लोरेंस, "डिक्सी टू ब्रॉडवे" में अग्रणी महिला बनी. वहां उसके नाम की एक सौ बत्तियाँ चमक रही थीं.

पूर्व गुलामों की बेटी, जो एक नन्हे, छोटे घर में पली-बढ़ी थी, अब आकाश छू रही थी.

फ्लोरेंस अपनी आवाज का इस्तेमाल मनोरंजन के कुछ ज्यादा करने के लिए उपयोग करना चाहती थी. ब्लैकबर्ड्स शो में उसने "आई एम ए लिटिल ब्लैकबर्ड्स लुकिंग फॉर ए ब्लूबर्ड" गाया. प्रदर्शन में यह उसका पसंदीदा गीत बन गया - समान अधिकारों के लिए गाना.

"हालांकि मेरा रंग काला है,

लेकिन मेरा भी तुम्हारे जैसा ही दिल है...

प्यार के लिए मैं मर रही हूँ, मेरा दिल रो रहा है

जैसे बूढ़े बुद्धिमान उल्लू ने कहा -

"कोशिश करती रहो!"

मैं एक नन्ही ब्लैकबर्ड हूँ

जो एक नीली चिड़िया को ढूंढ रही हूँ...."

वो शो इतना हिट हुआ कि फ्लोरेंस को फिर से लंदन आमंत्रित किया गया. इस बार, फोटोग्राफरों और समाचार संवाददाताओं ने उनका जमकर स्वागत किया, और उन्हें कई पार्टियों में आमंत्रित किया गया.

अपने प्रदर्शन के बाद. फ्लोरेंस ने खुद का वेश बदला ताकि कोई उन्हे पहचान न सके. फिर वो मरीजों को फूल देने के लिए अस्पतालों में गईं. और उन्होंने टेम्स नदी के किनारे भिखारियों को पैसे और भोजन बांटा.

फ्लोरेंस तब तक दान देती रहीं और नाचती और गाती रहीं जब तक उनसे बन सका.फिर वो और प्रदर्शन करने के लिए बहुत थक गईं. वो बहुत बीमार पड़ गई और अपने डॉक्टर से इलाज कराने के लिए हार्लेम लौट आईं. लेकिन डॉक्टर उनके लिए ज्यादा कुछ नहीं कर सके.
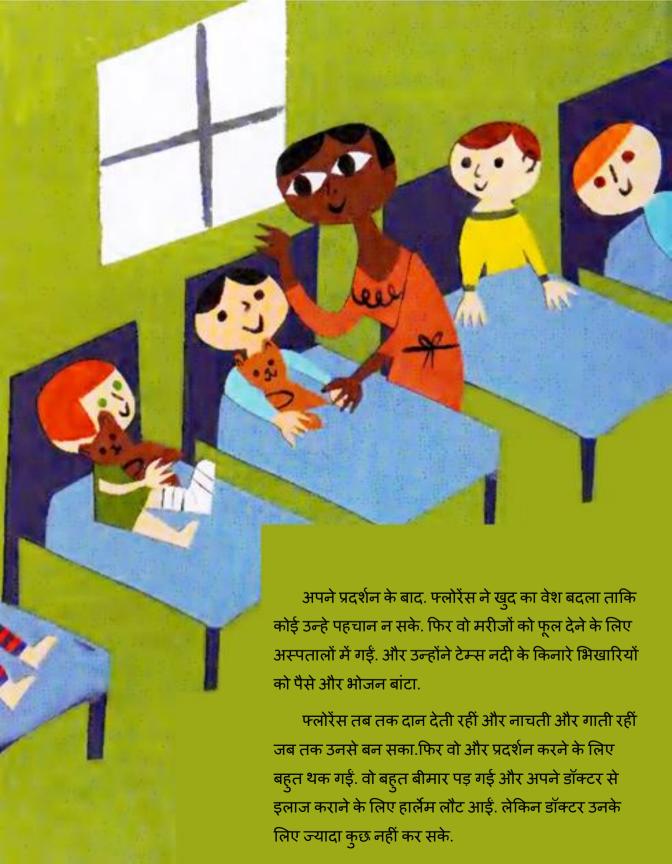
1 नवंबर, 1927 को फ्लोरेंस का गीत हमेशा के लिए समाप्त हो गया.
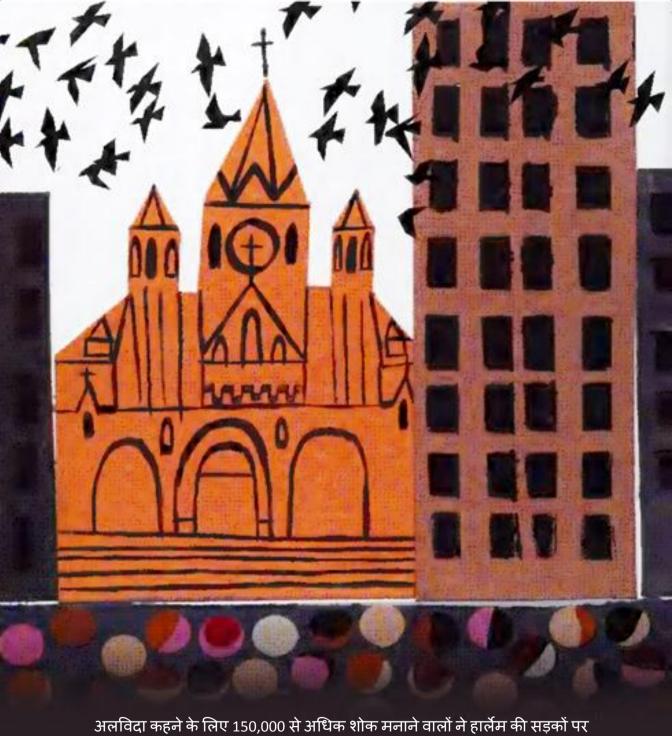
अलविदा कहने के लिए 150,000 से अधिक शोक मनाने वालों ने हार्लेम की सड़कों पर इकट्ठे हुए. दुनिया भर से लोगों ने उनके परिवार को पत्र, टेलीग्राम और फूल भेजे. उनमें वो लोग शामिल थे जिन के पास बहुत कुछ था और जिनके पास कुछ भी नहीं था. राजनेता और मनोरंजन करने वाले, गोरे और अश्वेत, सभी ने फ्लोरेंस मिल्स को श्रद्धांजलि दी.

यहां तक कि उस दिन कई ब्लैकबर्ड्स भी आईं उस दिन सैकड़ों ब्लैकबर्ड्स को लोगों ने आसमान में मँडराते हुए देखा.

उनके बाद आए गायकों और नर्तकियों में फ्लोरेंस का सपना अभी भी ज़िंदा है. वो सपना हर नन्हे-मुन्ने लड़के और लड़की के दिल में ज़िंदा है जो किसी छोटी-सी जगह में रहते हैं और बड़े-बड़े सपने देखते हैं.
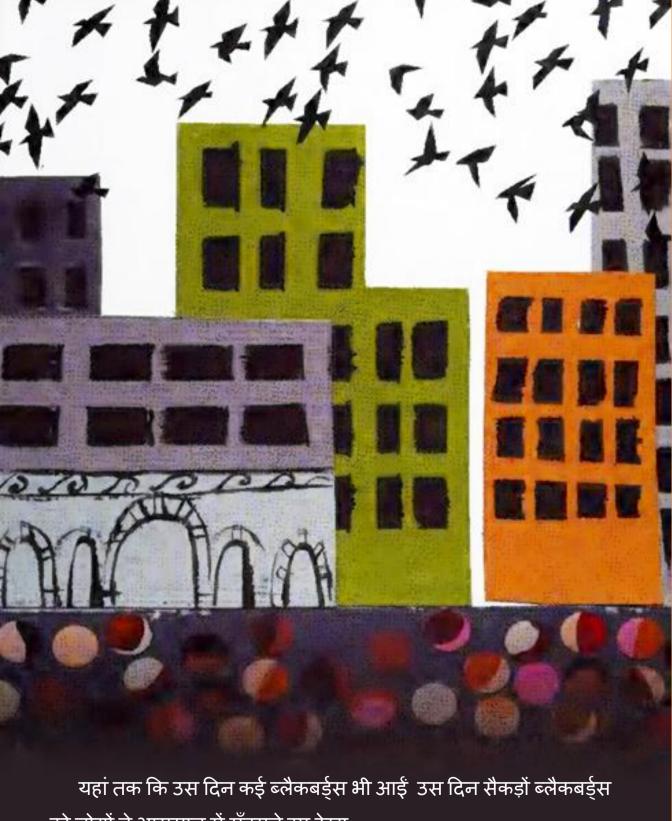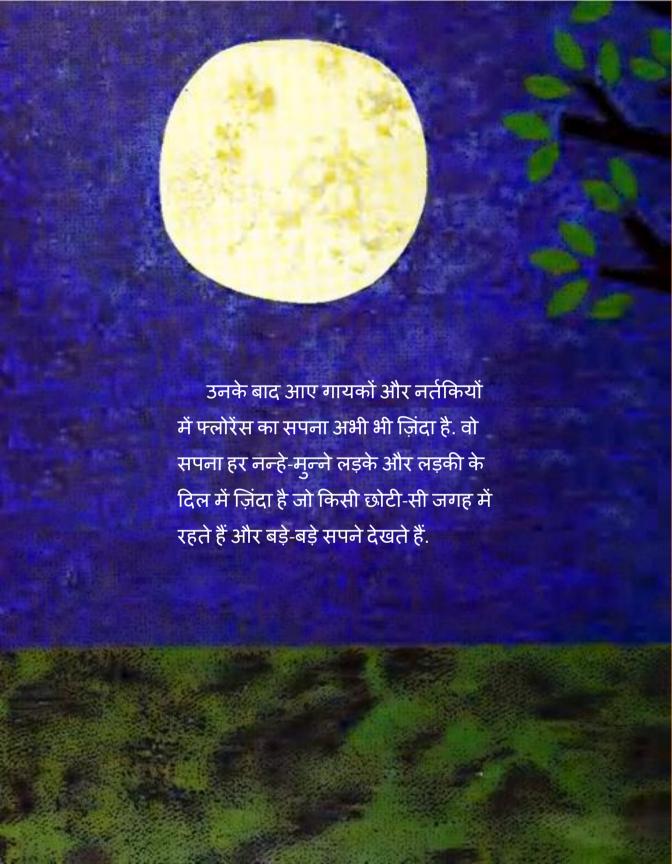
लेखक का नोट

फ्लोरेंस की आवाज कभी रिकॉर्ड नहीं की गई, और उनके प्रदर्शन की कोई फिल्म भी मौजूद नहीं है. फिर हमें उनकी महानता के बारे में कैसे पता?

इसका जवाब उनके साथियों की उनके प्रति प्रतिक्रियाओं में निहित है. फ्लोरेंस इतनी महान थीं, कि ड्यूक एलिंगटन ने उन्हें श्रद्धांजलि के रूप में "ब्लैक ब्यूटी" गीत की रचना की. प्रतिष्ठित कलाकार लीना होम और पॉल रॉबसन ने कहा कि वो सबसे सर्वश्रेष्ठ में से एक थीं. 1925 में, फ्लोरेंस "वैनिटी फेयर" पत्रिका के लिए फोटो खिंचवाने वाली पहली अश्वेत महिला बनीं. जब ब्लैकबर्ड्स ने लंदन के पैवेलियन थिएटर में प्रदर्शन किया, तो प्रिंस ऑफ वेल्स ने उनके शो को बीस से अधिक बार देखा.

लेकिन सिर्फ उनकी प्रतिभा ने अकेले फ्लोरेंस को महान नहीं बनाया. पर एक चीज ने उन्हें उल्लेखनीय महिला बनाया. उन्होंने अपनी प्रसिद्धि का इस्तेमाल दूसरों की मदद करने के लिए किया. यदि आप हार्लेम की सड़कों पर खेल रहे एक छोटे बच्चे थे या वहां किसी पत्थर पर बैठे थे, तो फ्लोरेंस रुक कर आपको कैंडी दे सकती थीं. यदि आप एनएएसीपी (NAACP) फंड इकट्ठा करने वाले इवेंट में मौजूद होते तो आप फ्लोरेंस का प्रदर्शन देख सकते थे. यही चीजें थीं जिन्होंने फ्लोरेंस को एक प्रिय मनोरंजनकर्ता बनाया. उसकी प्रतिभा, हाँ, लेकिन ज्यादातर उनकी उदारता और उनका विश्वास.